

एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) को दिनांक 31-3-92 को अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 390(अ) में निम्नलिखित और संशोधन करती है :-

2. उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 15 और उसमें संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि जोड़ी जाएगी अर्थात् :-

“श्री अंतर्वासि पटनायक

“अन्य हितों” का प्रतिनिधित्व करने के लिए”

[फाइल सं. पो टो - 18011/9/ 91--आर टो]

प्रमुख जोषी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th February, 1993

G.S.R. 48(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby appoints Shri Antaryami Patnaik representing ‘Other Interests’ on the Board of Trustees for the Port of Paradip and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G. S. R. 390(E), dated 31-3-92.

2. In the said notification after serial no. 15 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted namely :—

“16. Sri Antaryami Patnaik—Representing Interests.”

[F. No. PT-18011/9/91-PT]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, फरवरी 4, 1993/माघ 15, 1914

No. 37]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 4, 1993/MAGHA 15, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1993

सा.का.नि. 49 (अ) : —भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 52(ई), दिनांक 30 जनवरी, 1985 का अधिक्रमण करते हुए, केवल उन बातों को छोड़कर जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है अथवा जो किए जाने से रह गई है, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन की समाप्ति के बाद वाले दिन से, मुरगांव पत्तन-न्यास्त में प्रवेश कर रहे हरेक